

मध्यप्रदेश में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लाडली बहना योजना की सार्थकता

¹ डॉ. अर्चना कुमारी, ² उर्वशी जमींदार

¹ सहायक प्राध्यापक, वनमाली स्कूल ऑफ़ एजुकेशन, डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय, खंडवा, मध्य प्रदेश

² अध्यापिका, श्री देवी अहिल्या शिशु विहार, इंदौर, मध्य प्रदेश

¹E-mail: akumari1269@gmail.com

²E-mail: jamindarurvi@gmail.com

सारांश: इस अध्ययन का उद्देश्य मध्यप्रदेश में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लाडली बहना योजना की सार्थकता की समीक्षा करना था। प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया। न्यायदर्श के रूप में इंदौर शहर की कुल 80 महिलाएँ, जो लाडली बहना योजना की लाभ ले रही थीं को अध्ययन में शामिल किया गया। महिला लाभार्थी में अशिक्षित से स्नातक स्तर की योग्यता वाली महिलाएँ थी। प्रदत्त संकलन हेतु स्वयं निर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया। प्रश्नावली में योजना के उद्देश्यानुसार चार आयामों आर्थिक स्थिति, पोषण एवं स्वास्थ्य, आर्थिक स्वावलम्बन, पारिवारिक भूमिका में स्थिति से संबंधित प्रश्नों को लिया गया। प्रदत्तों के विश्लेषण से मुख्य निष्कर्ष थे: 78.75% महिलाएँ को इस योजना से मिलने वाली राशि का ज्ञान है। लाभार्थियों में 31% महिलाओं को परिवार के सदस्य के रजिस्टर्ड मोबाइल पर धनराशि बैंक खाते में आने की सूचना मिलती है, यह उनमें जागरूकता के अभाव को दर्शाता है। महिलाओं को प्राप्त धनराशि का उपयोग मुख्यतः अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने जैसे घर का राशन खरीदने, इंधन, बिजली, पानी के बिल को भरने में बच्चों की शिक्षा पर होता है। सीमित महिलाओं (41%) द्वारा योजना से प्राप्त राशि का उपयोग कौशल संवर्धन करने के लिए किया गया जैसे सिलाई, ब्यूटी पार्लर कार्य व लघु उद्योग सामग्री का निर्माण। बहुत कम महिलाएँ (40%) सहायता राशि का उपयोग स्वयं के पोषण एवं स्वास्थ्य पर करती पायी गई। जबकि उनके लिए परिवार के सदस्य के इलाज में जरूर इस राशि से खर्च वहन करने में सुविधा मिली। आर्थिक राशि से उनके परिवार में निर्णायक सहभागिता (67%) में स्थान मिला है।

कुंजी शब्द: लाडली बहना योजना, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता, कौशल प्रशिक्षण

1.0 प्रस्तावना:

भारत के संविधान में महिला व पुरुष दोनों को सामान अधिकार प्राप्त हैं। प्रत्येक नागरिक चाहे वह महिला हो या पुरुष अपने सम्पूर्ण अधिकारों का उपयोग करते हुए सम्मान पूर्वक जीवन जी सकता है, लेकिन यह तभी संभव है जब उसे अपने अधिकारों का पूर्ण ज्ञान हो और वह अपने अधिकारों की रक्षा करने में सक्षम हो। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना वर्ष 2023 में लागू हुई, यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मध्य प्रदेश में महिलाओं की स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति के संदर्भ में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -5 (2020-21) के अनुसार, राज्य की 23.0 प्रतिशत महिलाएं मानक बॉडी मास इंडेक्स से नीचे के स्तर पर हैं एवं 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में एनीमिया का स्तर 54.7 प्रतिशत रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां पुरुष भागीदारी दर 57.7 प्रतिशत है, वहीं महिला श्रम बल भागीदारी केवल 23.3 प्रतिशत है। इसी प्रकार, शहरी क्षेत्रों में श्रम बल में भाग लेने वाली महिलाओं का प्रतिशत केवल 13.6 है, जबकि पुरुषों का प्रतिशत 55.9 है। इससे स्पष्ट है कि महिलाओं की श्रम में भागीदारी पुरुषों की अपेक्षा कम है, जो उनकी आर्थिक स्वावलम्बन की स्थिति को प्रभावित करता है, स्वास्थ्य के मामले में भी महिलाओं की स्थिति औसत है।

महिलाओं को उनके अधिकारों के साथ-साथ शासन की योजना का सुचारू रूप से लाभ मिले इस हेतु भी जागरूक होना पड़ेगा। भारत की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं इसके बावजूद सामाजिक द्रष्टिकोण और सामाजिक प्रथाओं में लिंग-पूर्वाग्रह के कारण महिलाओं को भेदभाव का शिकार होना पड़ता है, जिसके परिणाम स्वरूप सामाजिक, आर्थिक और राजनीति क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति, आत्मनिर्भरता और अवसरों की समानता से असंगतता दिखती है। विकास कार्यक्रमों में महिलाओं की

भागीदारी को सराहा नहीं गया तथा महिलाओं का आकलन कमजोर माना जाता रहा है। महिलाओं की आर्थिक स्थिति एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा समय समय पर योजना लाई गयी हैं।

1.1 लाडली बहना योजना का परिचय

लाडली बहना योजना मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई एक योजना है, जिसका उद्देश्य राज्य की लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाना है। योजना की शुरुआत वर्ष 2023 में की गई थी। इस योजना के तहत राज्य की पात्र महिलाओं (21 से 60 वर्ष तक) के आर्थिक सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है। राज्य सरकार इसके उपरान्त लड़कियों और महिलाओं को वित्तीय सहायता, शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने तक विस्तारित करने का लक्ष्य है।

1.2 लाडली बहना योजना के उद्देश्य

लाडली बहना योजना के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं -

- महिलाओं के स्वास्थ्य एवं उनके आश्रित बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार को बनाये रखना।
- महिलाओं को आर्थिक रूप अधिक स्वावलंबी बनाना।
- पारिवारिक स्तर पर निर्णय लिये जाने में महिलाओं की प्रभावी भूमिका को प्रोत्साहित करना।

2.0 पूर्व शोध समीक्षा:

महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के उद्देश्य से संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रभाव एवं आकलन करने वाले पूर्व शोधों की समीक्षा की गई जो निम्नानुसार है।

बिसवास और दास (2021) ने हरियाणा की "अपनी बेटी अपना धन" सशर्त नकद सहायता योजना के दीर्घकालीन प्रभावों का अध्ययन किया। निष्कर्षों में बालिकाओं की शिक्षा के वर्षों में सकारात्मक प्रभाव पाया गया, लेकिन महिला श्रम सहभागिता और विवाहोत्तर सशक्तीकरण पर इसका प्रभाव सीमित पाया गया।

SBI (2023) ने मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना का महिला आर्थिक सशक्तीकरण के संदर्भ में विश्लेषण किया। रिपोर्ट में महिलाओं को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता हेतु लाडली बहना योजना को महिलाओं के सशक्तीकरण एवं आर्थिक विकास की एक व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा गया। अध्ययन ने महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता के महत्व को रेखांकित किया।

दास और सहयोगियों (2023) ने निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में सशर्त नकद स्थानांतरण योजनाओं से संबंधित अध्ययनों का बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी परिणामों पर प्रभाव जानने के लिए क्रमबद्ध पुनरावलोकन किया। समीक्षा में 44 अध्ययनों को शामिल किया गया। निष्कर्षों में 73 प्रतिशत अध्ययनों में सकारात्मक प्रभाव पाया गया, विशेषकर उन योजनाओं में जिनमें स्वास्थ्य सेवाओं एवं शैक्षिक संस्थानों में सहभागिता जैसी शर्तें सम्मिलित थीं।

सिंह (2025) ने महिलाओं के स्वावलंबन में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की भूमिका का अध्ययन किया, निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता महिलाओं की दैनिक एवं छोटी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक रही। विभिन्न आयु एवं सामाजिक-आर्थिक समूहों की महिलाओं पर योजना के प्रभाव में अंतर पाया गया। अध्ययन ने महिलाओं की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने में योजना की सकारात्मक भूमिका को रेखांकित किया।

पूर्व शोध में महिलाओं के सशक्तीकरण से संबंधित योजनाओं की समीक्षा से ज्ञात होता है कि महिलाओं को नकद स्थानांतरण संबंधी योजनाओं से उनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति में सुधार हुआ है किंतु परिणामों में श्रम सहभागिता और उद्योग कौशल पर सीमित प्रभाव देखा गया, साथ ही साथ पूर्व शोध के निष्कर्षों में कुछ असंगतियाँ पाई गईं एवं इस योजना से संबंधित अत्यंत कम शोध कार्य देखे गए अतः अध्ययन हेतु इस समस्या का चयन किया गया।

3.0 उद्देश्य:

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य निम्न थे -

1. लाडली बहना योजना द्वारा लाभार्थी महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार का आकलन करना।
2. लाडली बहना योजना की लाभार्थी महिलाओं द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी आवश्यकताओं में लाभ राशि के उपयोग का अध्ययन करना।
3. लाडली बहना योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता का लाभार्थी महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन पर प्रभाव का अध्ययन करना।
4. लाडली बहना योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता के परिणामस्वरूप परिवार में महिलाओं की भूमिका एवं निर्णय सहभागिता पर प्रभाव का आकलन करना।
5. लाडली बहना योजना से प्राप्त लाभ राशि के परिवार के सदस्यों की शिक्षा में उपयोग की जानकारी प्राप्त करना।

4.0 शोध विधि:

प्रस्तुत शोध की विधि गुणात्मक सर्वेक्षण है।

4.1 न्यादर्श

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु इंदौर शहर की वार्ड क्रमांक 62 एवं 63 की महिलाओं पर किया, जिसमें कुल 80 महिलाएं शामिल थीं। महिलाओं की शैक्षिक योग्यता अशिक्षित से स्नातक तक थी। सभी निम्न आर्थिक स्तर के दायरे में आने से इस योजना के लाभार्थी की पात्रता रखती थीं। ये महिलाएँ विभिन्न सामाजिक समूहों से संबंधित थीं। अध्ययन में सम्मिलित महिलाओं की आयु योजना के अंतर्गत निर्धारित 21 से 60 वर्ष की पात्रता सीमा के अंतर्गत थी।

4.2 उपकरण

प्रदत्त संकलन हेतु स्वयं निर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया जिसकी वैधता विशेषज्ञों की मदद से स्थापित की गई। इसमें दो प्रकार के प्रश्नों का निर्माण किया गया था। खुले एवं बंद प्रश्न। इस प्रश्नावली में आर्थिक सहायता से लाभार्थी को क्या लाभ प्राप्त यह जानने हेतु 4 आयामों - आर्थिक स्थिति, पोषण व स्वास्थ्य, स्वालंबन तथा परिवार में निर्णायक सहभागिता, शिक्षा में व्यय से संबंधित प्रश्नों को रखा गया।

4.3 प्रदत्त संकलन

सर्वप्रथम न्यादर्श के लिए इंदौर की क्षेत्रीय महिलाओं से वार्तालाप कर अपने शोध के उद्देश्य के बारे में उन्हें अवगत कराया एवं उपकरण से सम्बन्धित निर्देश दिये गये, तत्पश्चात प्रश्नावली पत्रक वितरित किये गये। जिसमें बंद प्रश्नों के लिए उत्तर हाँ और नहीं में देने थे। जिसके लिए अपने स्थिति के अनुसार उनको दिए गए विकल्प में से किसी एक का चयन कर सही का चिह्न अंकित करना था। शिक्षित महिलाओं को स्वयं से प्रश्नावली भरने को दी गयी जबकि अशिक्षित महिलाओं से प्रश्न करके उनके उत्तर को शोधकर्ता ने प्रश्नावली में दर्ज किया।

5.0 प्रदत्तों का विश्लेषण:

प्रश्नावली से प्राप्त अनुक्रियाओं का विश्लेषण हाँ और नहीं के लिए प्राप्त आवृत्ति एवं % में निम्न तालिका में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका-1 लाडली बहना योजना संबंधी कथनों पर उत्तरदाताओं की अनुक्रियाओं की आवृत्ति एवं प्रतिशत (N = 80)

कथन	उत्तर	
	सही	गलत
1. आपको लाडली बहना योजना में प्रतिमाह कितनी राशि प्राप्त होती है?	63 (78.75%)	17(21.25%)
2. लाडली बहना योजना धनराशि खाते में आने पर सूचना संदेश किस नंबर पर प्राप्त होता है? स्वयं/ परिवार का सदस्य?	55 (60.75%)	25 (31.25%)
3. इस योजना की राशि आपके किस खाते में आती है?	बैंक 71 (88.75%)	जनधन 9(11.25%)
4. क्या राशि खाते में आने के अगले ही दिन आप उसे अपने खाते से निकाल लेते हैं?	हाँ 29 (36.25%)	नहीं 51(63.75%)
5. क्या यह पैसा अपनी अभिरुचि को पूरा करने के लिए उपयोग करती हैं?	हाँ 52 (65%)	नहीं 28(35%)
6. क्या आप इस योजना का पैसा सौंदर्य प्रसाधन में खर्च करती हैं?	हाँ 34 (42.5%)	नहीं 46(57.5%)
7. क्या आप इस योजना की राशि से किसी प्रकार के कौशल को सीख रही हैं?	हाँ 33 (41.25%)	नहीं 47 (58.75%)
8. क्या आप इस योजना का पैसा घर का राशन खरीदने में करती है?	हाँ 61 (76.25%)	नहीं 19 (23.75%)
9. क्या आप इस योजना का पैसा खर्च की घर की जरूरत में खर्च करती हैं?	हाँ 63 (78.75%)	नहीं 17(21.25%)
	हाँ	नहीं

10. क्या इस योजना का पैसा अपने पोषण की स्थिति में सुधार के लिए कर रही हैं?	32 (40%)	48 (60%)
11. क्या आप इस योजना का पैसा अपनी स्वास्थ्य के नियमित जांच में उपयोग करती हैं?	हाँ 27 (33.75%)	नहीं 53 (66.25%)
12. क्या आप इस योजना का पैसा स्वास्थ्य बीमा में उपयोग करती हैं?	हाँ 21 (26.25%)	नहीं 59 (73.75%)
13. क्या आप इस योजना का पैसा परिवार की पीड़ित व्यक्ति के इलाज में करती हैं?	हाँ 42 (52.5%)	नहीं 38 (47.5%)
14. क्या आप इस योजना का पैसा अपने पति को उनके खर्च के लिए देती हैं?	हाँ 32 (40%)	नहीं 48 (60%)
15. क्या आप इस योजना की राशि पति के द्वारा व्यवसाय में उपयोग की जाती है?	हाँ 14 (17.5%)	नहीं 66 (82.5%)
16. क्या योजना से प्राप्त राशि से आपके परिवार में किसी अन्य सदस्य का मादक पदार्थों में व्यय किया जाता है?	हाँ 18 (22.5%)	नहीं 62 (77.5%)
17. क्या आप इस योजना का पैसा बच्चों या परिवार के लोगों की शिक्षा में खर्च करती हैं?	हाँ 51 (63.75%)	नहीं 29 (36.25%)
18. क्या आप इस योजना का पैसा फिक्स डिपॉजिट में जमा करती हैं?	हाँ 26 (32.5%)	नहीं 54 (67.5%)
19. क्या आप इस योजना के पैसे का उपयोग किसी प्रकार के ऋण पूर्ति में होता है?	हाँ 27 (33.75%)	नहीं 53 (66.25%)
20. क्या आपकी इस योजना के पैसे से किसी प्रकार का गृह उद्योग शुरू किया है?	हाँ 11 (13.75%)	नहीं 69 (86.25%)
21. क्या यह राशि आपकी मूलभूत जरूरत में मददगार है?	हाँ	नहीं
22. क्या यह राशि से आपकी आर्थिक तंगी का तनाव कम हुआ है?	55 (68.75%) 64 (80%)	25 (31.25%) 16 (20%)
23. क्या जब से आपको यह राशि प्राप्त हो रही है आपके खर्चों में समर्थ हुआ है?	हाँ 66 (82.5%)	नहीं 14 (17.5%)
24. क्या इस योजना से प्राप्त लाभ राशि के कारण परिवार में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण हुई है तथा निर्णयों में आपकी सहभागिता बढ़ी है?	हाँ 63 (78.75%)	नहीं 17 (21.25%)

6.0 परिणाम एवं चर्चा:

प्रश्नावली के कथनों पर प्राप्त अनुक्रिया के विश्लेषण उपरान्त परिणाम एवं चर्चा को उद्देश्यवार प्रस्तुत किया गया है –
योजना संबंधी सामान्य जानकारी, जागरूकता एवं लाभ राशि पर नियंत्रण

उद्देश्यवार परिणामों से पूर्व लाभार्थी महिलाओं की योजना संबंधी जानकारी, लाभ राशि की प्राप्ति एवं उसके उपयोग पर स्व अधिकार का विश्लेषण किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि 78.75 प्रतिशत महिलाओं को मासिक लाभ राशि की सही जानकारी थी तथा 60.75 प्रतिशत महिलाओं को राशि प्राप्त होने की सूचना स्वयं के मोबाइल पर मिलती थी। वहीं, 40 प्रतिशत महिलाएँ राशि पति के खर्च के लिए देती थीं, जबकि 17.5 प्रतिशत की राशि पति के व्यवसाय तथा 22.5 प्रतिशत की राशि परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा मादक पदार्थों पर व्यय की जाती थी। ये परिणाम अधिकांश महिलाओं की लाभ राशि तक प्रत्यक्ष पहुँच को दर्शाते हैं, तथापि कुछ मामलों में इसके उपयोग पर उनका पूर्ण नियंत्रण नहीं पाया गया।

उद्देश्य 1: लाभार्थी महिलाओं की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव

प्रस्तुत अध्ययन का प्रथम उद्देश्य लाड़ली बहना योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता का लाभार्थी महिलाओं की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव का अध्ययन करना था। परिणामों से ज्ञात हुआ कि अधिकांश महिलाओं ने योजना से प्राप्त राशि को मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक (68.75%), आर्थिक तंगी से उत्पन्न तनाव को कम करने वाला (80%) तथा अपने खर्चों की पूर्ति में समर्थ बनाने वाला (82.5%) माना। वहीं, 33.75 प्रतिशत महिलाएँ इस राशि का उपयोग ऋण पूर्ति के लिए करती पायी गई हैं। इससे स्पष्ट होता

है कि लाडली योजना से प्राप्त नियमित आर्थिक सहायता ने अधिकांश लाभार्थी महिलाओं को उनकी दैनिक आवश्यकताओं एवं व्यक्तिगत खर्चों की पूर्ति में आर्थिक राहत प्रदान की है। "SBI (2023) के शोध में भी पाया गया था कि लाडली बहना योजना के परिपेक्ष्य में प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता से महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने एवं वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका है"। इस प्रकार, वर्तमान अध्ययन के निष्कर्ष पूर्व अध्ययन से समानता रखते हैं कि योजना से महिलाओं की वर्तमान आर्थिक स्थिति में सुधार आया एवं उनके आर्थिक तनाव को कम करने में इसकी सहायक भूमिका है।

उद्देश्य 2 : लाडली बहना योजना से प्राप्त लाभ राशि का स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी आवश्यकताओं में उपयोग

प्रस्तुत अध्ययन का द्वितीय उद्देश्य लाडली बहना योजना की लाभार्थी महिलाओं को प्राप्त लाभ राशि का स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में इसके उपयोग से संबंधित था। परिणामों से ज्ञात हुआ कि अधिकांश लाभार्थी महिलाएँ लाभ राशि का उपयोग घर का राशन खरीदने (76.25%) में करती हैं, जबकि व्यक्तिगत पोषण में सुधार (40%), नियमित स्वास्थ्य जाँच (33.75%) तथा स्वास्थ्य बीमा (26.25%) में इसका उपयोग अपेक्षाकृत कम पाया गया। वहीं, जबकि आधे से अधिक महिलाएँ (52.5%) परिवार के सदस्य के बीमार होने की स्थिति में उपचार हेतु इस राशि का उपयोग करती हैं।

"राव एवं अन्य(2020). द्वारा भारत के संदर्भ में किए अध्ययन में पाया कि माताओं ने नकद हस्तांतरण के माध्यम से प्राप्त राशि को सर्वाधिक महत्त्व दिया, जिसके बाद स्वास्थ्य सेवाओं से प्राप्त लाभ को प्राथमिकता दी गई"।

इस प्रकार, वर्तमान अध्ययन के निष्कर्ष पूर्व शोध के समर्थन में प्राप्त हुए, कि लाडली बहना योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता खाद्य एवं तात्कालिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक है, किंतु यह भी पाया गया कि लाभार्थी महिलाएँ व्यक्तिगत पोषण, स्वास्थ्य जांच एवं देखभाल में इसके उपयोग के प्रति उदासीन हैं।

उद्देश्य 3: लाडली बहना योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता का लाभार्थी महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन पर प्रभाव

प्रस्तुत अध्ययन का तृतीय उद्देश्य लाडली बहना योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता का लाभार्थी महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन पर प्रभाव का अध्ययन करना था। परिणामों से ज्ञात हुआ कि 65 प्रतिशत महिलाएँ लाभ राशि का उपयोग अपनी अभिरुचियों की पूर्ति के लिए करती हैं, जबकि कौशल विकास (41.25%), बचत (32.5%) तथा गृह उद्योग प्रारंभ करने (13.75%) में इसका उपयोग अपेक्षाकृत कम पाया गया। इससे स्पष्ट होता है कि योजना ने महिलाओं को अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर व्यय करने की आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की है, किंतु कौशल विकास, बचत एवं आय-सृजन जैसे दीर्घकालीन आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में अभी अपेक्षाकृत कम प्रतिफल दिखता है, इसके लिए महिलाओं को जागरूक एवं सहायक सेवाओं की आवश्यकता है। सिंह (2025) ने भी "लाडली बहना योजना को महिलाओं की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति एवं स्वावलंबन में सहायक पाया", जबकि "बिसवास एवं दास (2021) ने नकद सहायता राशि के बावजूद महिलाओं के दीर्घकालीन आर्थिक सशक्तीकरण पर सीमित प्रभाव पाया। इस प्रकार, वर्तमान अध्ययन के निष्कर्ष पूर्व शोधों के आंशिक रूप से समतुल्य हैं"। संवर्धन योजनाएँ महिलाओं की व्यक्तिगत आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में सहायक है, किंतु स्थायी आर्थिक स्वावलंबन के लिए कौशल विकास, बचत एवं आय-सृजन के अवसरों से इसका समन्वय आवश्यक है।

उद्देश्य 4: परिवार में महिलाओं की भूमिका एवं निर्णय सहभागिता पर आर्थिक सहायता का प्रभाव

प्रस्तुत अध्ययन का चतुर्थ उद्देश्य आर्थिक सहायता के परिणामस्वरूप महिलाओं की पारिवारिक भूमिका एवं निर्णयों में सहभागिता का आकलन करना था। परिणामों से ज्ञात हुआ कि 78.75 प्रतिशत लाभार्थी महिलाओं ने समर्थन किया कि योजना से प्राप्त राशि ने परिवार में उनकी भूमिका को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे स्पष्ट होता है कि महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिलने से परिवार में उनकी भूमिका को सुदृढ़ता मिली है तथा पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति में उनकी सक्षमता से परिवार के निर्णय करने में सहभागिता का भी अवसर मिला है। अल्मास, सोमविले एवं वैडवाले (2020) ने भी महिला-लक्षित नकद हस्तांतरण का घरेलू निर्णय प्रक्रिया पर सकारात्मक प्रभाव पाया। इस प्रकार, कहा जा सकता है, कि आर्थिक संसाधनों तक महिलाओं की पहुँच परिवार में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने में सहायक है, तथा पारिवारिक निर्णयों में सहभागिता को प्रोत्साहित करती है।

उद्देश्य 5: परिवार के सदस्यों की शिक्षा में सहायता राशि का उपयोग

प्रस्तुत अध्ययन का पंचम उद्देश्य लाडली बहना योजना से प्राप्त लाभ राशि का पारिवारिकों की शिक्षा में उपयोग के संबंध में पता लगाना था। परिणामों से ज्ञात हुआ कि 63.75 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएँ योजना से प्राप्त राशि का उपयोग अपने परिवार एवं बच्चों की शिक्षा के लिए करती हैं, जबकि 36.25 प्रतिशत महिलाएँ इसका उपयोग इस उद्देश्य के लिए नहीं करती हैं। इससे स्पष्ट होता है कि अधिकांश लाभार्थी महिलाओं आर्थिक सहायता का उपयोग अपने आवश्यकताओं तक सीमित न रखकर बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए करती हैं। बिसवास एवं दास (2021) ने भी नकद हस्तांतरण योजना का बालिकाओं की शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पाया, जबकि दास एवं साथी (2023) के अध्ययन में आर्थिक नगद सहायता योजनाओं के बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव पाए गए। इस प्रकार, इस अध्ययन के परिणाम पूर्व शोधों के अनुरूप हैं

कि महिलाओं को प्रदान की गई प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता परिवार में बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति एवं शैक्षिक अभिलाषाओं की पूर्ति में सहायक है।

7.0 निष्कर्ष:

इस अध्ययन के आधार पर निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि लाड़ली बहना योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता ने लाभार्थी महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने, दैनिक एवं पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति तथा परिवार में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने में सकारात्मक योगदान दिया है। योजना के संदर्भ में यह ध्यान देना जरूरी है कि लाभार्थी महिलाओं द्वारा मुख्यतः लाभ राशि का उपयोग खाद्य आवश्यकताओं एवं परिवार के सदस्यों की शिक्षा में करना पाया गया, जबकि व्यक्तिगत स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास, बचत एवं आय-सृजन गतिविधियों में इसका उपयोग अपेक्षाकृत कम पाया गया है। अतः यह योजना महिलाओं को तात्कालिक आर्थिक सहायता एवं परिवार में उनको सार्थक स्थान प्रदान करने में सहायक है, किंतु दीर्घकालीन आर्थिक स्वावलंबन के लिए इसे कौशल विकास, बचत, वित्तीय साक्षरता एवं स्वउद्यमिता के अवसरों तक विस्तारित करने की आवश्यकता है।

संदर्भ सूची:

1. Almas, I., Somville, V., & Vandewalle, L. (2020). *The effect of gender-targeted transfers: Experimental evidence from India* (Discussion Paper No. 16/2020). Department of Economics, NHH Norwegian School of Economics.
2. Biswas, S., & Das, U. (2021). *What's the worth of a promise? Evaluating the longer-term indirect effects of a programme to reduce early marriage in India* (GDI Working Paper 2021-055). Global Development Institute, The University of Manchester.
3. Das, A., & Sethi, N. (2023). Cash transfers and human capital outcomes of children in LMICs: A systematic review using PRISMA. *Heliyon*, 9(4), e14758. <https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2023.e14758>
4. Rao, K. D., et al. (2020). Not just money: What mothers value in conditional cash transfer programs in India. *BMJ Global Health*, 5 (10), e003033. <https://doi.org/10.1136/bmjgh-2020-003033>
5. SBI Research. (2023). *Economic empowerment of women a sine qua non for development: How the Ladli Behna Scheme in Madhya Pradesh transcended boundaries*. State Bank of India.
6. Singh, L., & Singh, A. (2025). A study of the Ladli Behna Yojana in the self-reliance of women with special reference to village Pathra, Dist-Katni (M.P.). *International Journal of Applied Social Science*, 12(5-6), 347-351.